माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए
(ए.एल.एम.- मॉड्यूल 2)

लर्निंग आउटकम्स आधारित टीचर हैण्डबुक

Learning Outcomes Based
Teachers' Handbook

कक्षा 6 से 8

अंग्रेजी

ENGLISH

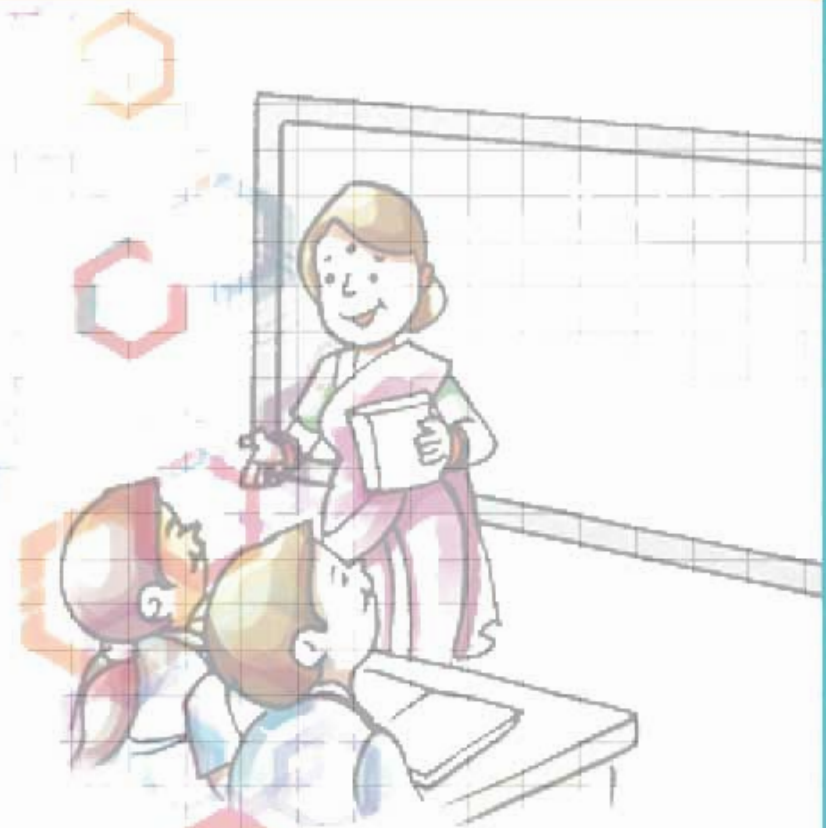

मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

चाँद हैं, आफताब हैं बच्चे।
रोशनी की किताब हैं बच्चे।

अपने स्कूल जब ये जाते हैं,
ऐसा लगता गुलाब हैं बच्चे।

व्यास, सतलज सरीखे दरिया हैं,
रावी, झेलम, चिनाव हैं बच्चे।

अपनी मस्ती की राजधानी में,
अपने मन के नबाब हैं बच्चे।

जब कभी भी ये खिलखिलाते हैं,
ऐसा लगता रबाब हैं बच्चे।

जिनको संस्कार शुभ मिले हैं वे,
हर जगह कामयाब हैं बच्चे।

क्या फरिश्ते किसी ने देखे है?
कितना अच्छा जवाब हैं बच्चे।

–अजहर हाशमी

शिक्षकों के लिए

- मुझे शिक्षक होने पर गर्व है। शिक्षण को मैं एक आदर्श व्यवसाय मानता/मानती हूँ।
- शिक्षण से जुड़े होने के कारण मैं उसी कार्य को करूँगा/करूँगी जो इस व्यवसाय को आदर्श स्वरूप दे सकें।
- मैं सजग रहूँगा/रहूँगी कि मेरे प्रत्येक कार्य, व्यवहार को मेरे विद्यार्थी आलोचनात्मक दृष्टि से देखेंगे। उनकी समझ में सदैव आदर्श स्थापित करूँगा/करूँगी।
- विद्यार्थियों की सहायता तथा मार्गदर्शन देने में मेरी भूमिका एक मित्र, एक दार्शनिक तथा एक निर्देशक के रूप में रहेगी।
- मैं अपने विद्यार्थियों को पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए प्रेरित करूँगा/करूँगी।
- यदि किसी कारण मैं कक्षा में नही जा पा रहा/रही हूँ तो विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय देकर क्षतिपूर्ति करूँगा/करूँगी।
- मैं अपने व्याख्यान पूर्ण सावधानी के साथ तैयार करूँगा/करूँगी ताकि विषय सामग्री विद्यार्थियों को स्पष्ट हो सके।
- मैं शिक्षण में नवाचार का प्रयोग करूँगा/करूँगी ताकि विषय सामग्री विद्यार्थियों को स्पष्ट हो सके।
- मैं केवल पाठ्यक्रम को ही पूर्ण नहीं करूँगा/करूँगी, बल्कि नवीन जानकारी विद्यार्थियों तक पहुँचाना भी मेरा कर्तव्य होगा।

यह मेरा स्वभाव है कि जब मैं कोई
उत्तरदायित्व स्वीकार करता हूँ तो मैं
अपनी सारी शक्ति से कर्त्तव्य पालन में
निमग्न हो जाता हूँ और अपने
उत्तरदायित्व से कभी अलग नहीं हटता।
एक बार सौभाग्य से मैं शिक्षक बन गया।
मैंने अपना कार्य पूरी लगन से किया
और यह कार्य करने में मैंने जो आनंद
पाया
उसने मुझे
गुरू से गुरूदेव
तक पहुँचा दिया।

– रवीन्द्र नाथ टैगोर

माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए

लर्निंग आउटकम्स आधारित टीचर हैण्डबुक

Learning Outcomes Based

Teachers' Handbook

अंग्रेजी

कक्षा–6 से 8

ए.एल.एम.- मॉड्यल 2

(45 मिनिट कालखण्ड के अनुसार)

2017–18

म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद

सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

शिक्षकों के लिए ...

शिक्षक साथियों आपके द्वारा विद्यार्थियों की दक्षता विकास के सतत् प्रयास किए जा रहे हैं तथापि यह अनुभव किया गया है कि आपके पास एक ऐसा टूल्स हो जिससे आप विद्यार्थियों की दक्षता की परख कर सकें। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा आपके उपयोगार्थ एक ऐंसी पुस्तिका तैयार की गई है, जिसके माध्यम से कक्षा कक्ष में होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं को एक स्थान पर समेकित किया गया है। जिसमें आप यह जान सकेंगे कि आपके विद्यार्थियों ने क्या सीखा है।

आप सभी मित्रों की सहायता के लिए राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा एक 'लर्निंग आउटकम्स आधारित टीचर हैण्डबुक सह प्रशिक्षण पुस्तिका' तैयार की है। यह पुस्तिका कक्षा 6 से 8 तक (प्रांरभिक शिक्षा) के लिए विषयवार तैयार की जाकर समेकित रूप से प्रदाय की जा रही है। लर्निंग आउटकम्स आधारित टीचर हैण्डबुक में प्रमुख रूप से अवधारणा क्षेत्र, पेडॉगाजिकल प्रकिया/ गतिविधियाँ, आवश्यक शिक्षण सहायक सामग्री, सीखने के संकेतक, मूल्यांकन हेतु प्रश्न, आओ करके सीखे, अवधारणा के शिक्षण में लगने वाला समय एवं सीखने की सम्प्राप्तियाँ को शामिल किया गया है।

विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए आयाम जिनमें सीखने-सिखाने और उसके आकलन करने से संबंधित शिक्षण की कार्य योजना बनाना, सीखने का वातावरण निर्मित करना, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया, कक्षा प्रबंधन, बच्चों को रोटेशन में बैठाना, सहायक शिक्षण सामग्री का उपयोग करना। कक्षा में घर में/घर पर एवं खेल-खेल में सीखना, बच्चों की क्षमता का आकलन करना शामिल है।

सामग्री में दिव्यांग बच्चों को सीखने के समान अवसर उपलब्ध कराना, शाला में दिव्यांग बच्चों की आवश्यकताओं की पूर्ति कराना भी शामिल है। टीचर हेंड बुक में डी एवं ई ग्रेड प्राप्त करने वाले बच्चों को ध्यान में रखकर योजना बनाना शामिल है। इस पुस्तिका के उपयोग से शिक्षक विद्यार्थियों की विषयगत समस्याओं का निदान कर सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों को स्वयं प्रश्न करने, उनका समाधान खोजने तथा निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए प्रेरित कर सकेंगे।

इस पुस्तिका के निर्माण में प्रदेश के विभिन्न संस्थानों व विद्यालयों में कार्यरत अनुभवी विषय विशेषज्ञों, शिक्षकों व राज्य शिक्षा केन्द्र के अकादमिक समूह के सदस्यों ने अथक प्रयास किया है, फिर भी यह सामग्री तब तक पूर्ण नही मानी जा सकेगी जब तक उसका उपयोगकर्ता द्वारा उपयोग कर अपेक्षित परिणाम प्राप्त न हो जाएँ। अतः इस पुस्तिका के उपयोग पश्चात आप सभी के सकारात्मक सुझावों की प्रतीक्षा होगी।

- राज्य शिक्षा केन्द्र

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पृष्ठ
1.	शिक्षक के परिचय हेतु स्थान	2
2.	सुझावात्मक समय-सारणी	3
3.	सीखने के मुख्य घटकों का परिचय	4
4.	शिक्षण प्रक्रिया के प्रमुख आयाम एवं गतिविधियाँ	7
5.	कक्षा-6 के लिए- ● सीखने का मेट्रिक्स ● सीखने की संप्राप्तियाँ (Learning Outcomes)	 09 36
6.	स्व मूल्यांकन	37
7.	कक्षा-7 के लिए- ● सीखने का मेट्रिक्स ● सीखने की संप्राप्तियाँ (Learning Outcomes)	 43 74
8.	स्व मूल्यांकन	76
9.	कक्षा-8 के लिए- ● सीखने का मेट्रिक्स ● सीखने की संप्राप्तियाँ (Learning Outcomes)	 84 115
10.	स्व मूल्यांकन	117
11.	कक्षा अवलोकन हेतु मानिटरिंग प्रपत्र	125

(1)

शिक्षक/शिक्षिका की सामान्य जानकारी

नाम :

पद तथा कार्यरत संस्था का नाम :

शाला का डाईस कोड :

कक्षा जिसमें अध्यापन करते है :

विषय जिसमें अध्यापन करते है :

शिक्षक का यूनिक आई डी :

मोबाईल नं. :

विशेष कार्यानुभव/कार्यक्षमता :

:

योग्यता/विशिष्ट योग्यता

(2)

सुझावात्मक समय–सारणी

समय / कक्षा	10:30 से 10:45	10:45 से 11:30	11:30 से 12:15	12:15 से 12:20	12:20 से 1:05	1:05 से 1:50	1:50 से 2:20	2:20 से 2:45	2:45 से 3:00	3:00 से 3:45	3:45 से 4:30	4:30 से 4:40
VI	प्रार्थना सभा	हिन्दी	विज्ञान	लघु अवकाश	गणित	सामाजिक विज्ञान	मध्याह्न भोजन	•खेल–कूद •पुस्तकालय •सृजनात्मक कार्य •जैसे – खिलौने बनाना, मिट्टी का कार्य, चित्रकारी, हस्तशिल्प, स्क्रेप बुक बनाना आदि •जीवन कौशल शिक्षा •परिसंवाद	मीना की दुनिया (आकाश–वाणी से प्रसारित कार्यक्रम)	अंग्रेजी	संस्कृत	प्रार्थना
VII		विज्ञान	सामाजिक विज्ञान		हिन्दी	गणित				संस्कृत	अंग्रेजी	
VIII		गणित	संस्कृत		विज्ञान	अंग्रेजी				हिन्दी	सामाजिक विज्ञान	

नोटः– 1. शनिवार को सांस्कृतिक गतिविधियों के तहत बाल सभा का आयोजन किया जाएगा
2. विद्यालय में पदस्थ शिक्षकों की संख्या अनुसार समय चक्र में परिवर्तन किया जा सकता है।
3. बच्चों की बैठक व्यवस्था– i. ब्लैक बोर्ड के सम्मुख बैठने की व्यवस्था रखी जाए।
ii. विशेष आवश्यक्ता वाले बच्चों के बैठने के लिए सुविधाजनक स्थान दिया जाए।
iii. बैठक व्यवस्था रोटेशन पद्धति से की जाए।